पावलोव का प्राचीन अनुबंधन का सिद्धांत

पावलोव का प्राचीन अनुबंधन का सिद्धांत, जिसे पावलोवियन अनुबंधन या प्रतिवादी अनुबंधन के रूप में भी जाना जाता है, 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में रूसी शरीर विज्ञानी इवान पावलोव द्वारा विकसित एक मनोवैज्ञानिक अवधारणा है। यह सिद्धांत इस बात पर केंद्रित है कि जीव अपने वातावरण में उत्तेजनाओं से कैसे जुड़ना और प्रतिक्रिया करना सीखते हैं। कुत्तों के साथ पावलोव के अभूतपूर्व प्रयोगों ने यह समझने की नींव रखी कि उत्तेजनाओं और प्रतिक्रियाओं के बीच सरल संबंध कैसे सीखने की ओर ले जा सकते हैं। प्राचीन अनुबंधन एक प्रकार की सीख है जो एक उत्तेजना के जुड़ाव पर आधारित होती है जो आम तौर पर किसी अन्य उत्तेजना के साथ एक विशेष प्रतिक्रिया उत्पन्न नहीं करती है जो प्रतिक्रिया प्राप्त करती है।

पावलोव के प्रयोग

पावलोव ने लगभग दुर्घटना से प्राचीन अनुबंधन की खोज की। मूल रूप से, वह पाचन में लार की भूमिका का अध्ययन करना चाहते थे। उन्होंने मापा कि मांस दिए जाने पर कुत्ते कितनी लार पैदा करते हैं। प्रयोग में कुछ दिनों के बाद, पावलोव ने देखा कि उनकी प्रयोगशाला में कुत्तों ने लार बनाना शुरू कर दिया जब लैब अटेंडेंट ने मांस के पकवान के साथ कमरे में प्रवेश किया, इससे पहले कि उनके मुंह में मांस रखा गया था.

इसने पावलोव की जिज्ञासा को जगाया और उन्होंने इस मुद्दे को और अधिक प्रयोगों के साथ आगे बढ़ाया। उदाहरण के लिए, उसने अपने कुत्तों को भोजन देने से ठीक पहले घंटी बजाई। खाना खाने से ठीक पहले कई बार घंटी सुनने के बाद घंटी बजते ही कुत्तों की लार टपकने लगी। दूसरे शब्दों में, कुत्तों को एक नई उत्तेजना (घंटी) के जवाब में लार के लिए अनुबंधित किया गया था जो आमतौर पर लार का उत्पादन नहीं करती थी। कुत्तों ने घंटी को भोजन से जोड़ना सीख लिया था.

पावलोव के प्राचीन अनुबंधन सिद्धांत के सिद्धांत

पावलोव के प्राचीन अनुबंधन सिद्धांत के मूल सिद्धांत इस प्रकार हैं:

1. अनअनुबंधित उत्तेजना (यूसीएस): यह एक उत्तेजना है जो बिना किसी पूर्व सीख के स्वाभाविक रूप से प्रतिक्रिया को ट्रिगर करती है। पावलोव के प्रसिद्ध कुत्ते प्रयोगों में, भोजन अनअनुबंधित उत्तेजना था क्योंकि यह कुत्तों से लार की प्राकृतिक प्रतिक्रिया प्राप्त करता था।

2. अनअनुबंधित प्रतिक्रिया (यूसीआर): अनअनुबंधित प्रतिक्रिया एक सहज प्रतिक्रिया है जो बिना किसी सीख के होती है। कुत्ते के प्रयोगों में, भोजन के जवाब में लार निकलना अनअनुबंधित प्रतिक्रिया थी।

3. अनुबंधित उत्तेजना (सीएस): अनुबंधित उत्तेजना एक तटस्थ उत्तेजना है, जो अनअनुबंधित उत्तेजना के साथ बार-बार जुड़ने से एक अनुबंधित प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए आती है। पावलोव के प्रयोगों में, घंटी बजाना शुरू में एक तटस्थ उत्तेजना थी लेकिन जब इसे भोजन के साथ जोड़ा गया तो यह एक अनुबंधित उत्तेजना बन गई।

4. अनुबंधित प्रतिक्रिया (सीआर): अनुबंधित प्रतिक्रिया सीखी गई प्रतिक्रिया है जो अनुबंधित उत्तेजना प्रस्तुत होने के बाद होती है। कुत्ते के प्रयोगों में, घंटी बजने की प्रतिक्रिया में लार निकलना (भोजन की उपस्थिति के बिना) अनुबंधित प्रतिक्रिया थी।

उत्तेजना और प्रतिक्रिया के प्रकार

प्राचीन अनुबंधन में, 2 प्रकार की उत्तेजना और 2 प्रकार की प्रतिक्रिया होती है। वे अनअनुबंधित उत्तेजना, अनुबंधित उत्तेजना, अनअनुबंधित प्रतिक्रिया और अनुबंधित प्रतिक्रिया हैं जैसा कि चित्र में बताया गया है.

चरण 1 - अनुबंधन से पहले

अनुबंधन से पहले, घंटी तटस्थ उत्तेजना है। न्यूट्रल स्टिमुलस (NS) एक ऐसा उद्दीपन है, जो **अनुबंधन** से पहले, स्वाभाविक रूप से रुचि की प्रतिक्रिया नहीं लाता है (फेल्डमैन, 2005)।

NS (Bell) → कोई लार नहीं

हालांकि, एक अनअनुबंधित उत्तेजना (यूसीएस) अनअनुबंधित प्रतिक्रिया (यूसीआर) उत्पन्न कर सकती है

UCS (मीट) → UCR (लारस्रवण)

चरण 2 - अनुबंधन प्रक्रिया के दौरान

अनुबंधन प्रक्रिया के दौरान, तटस्थ उत्तेजना (एनएस) प्रस्तुत की जाती है। अनअनुबंधित प्रतिक्रिया (यूसीआर) उत्पन्न करने के लिए अनअनुबंधित प्रोत्साहन (यूसीएस) के तुरंत बाद इसका पालन किया जाता है।

NS (घंटी) + UCS (मीट) → UCR (लारस्रवण)

चरण 3 – अनुबंधन का परीक्षण

प्राचीन अनुबंधन प्रक्रियाओं के बाद, तटस्थ उत्तेजना (एनएस) एक अनुबंधित उत्तेजना (सीएस) बन जाती है। यह अकेले ही लार पैदा कर सकता है। बिंदु पर, लार के उत्पादन को अनुबंधित प्रतिक्रिया (सीआर) के रूप में जाना जाता है।

NS (घंटी) → CR (लारस्रवण)

प्राचीन अनुबंधन में आम घटना

प्राचीन अनुबंधन में 3 सामान्य घटनाएं हैं, वे सामान्यीकरण, भेदभाव और विलुप्त होने हैं। इन घटनाओं का विवरण नीचे दिया गया है.

सामान्यीकरण :

सामान्यीकरण तब होता है जब सीएस के समान उत्तेजनाएं सीआर उत्पन्न करती हैं। एक छात्र भौतिकी और रसायन विज्ञान की परीक्षाओं में अपने डर को सामान्य कर सकता है, हालांकि उसने केवल गणित की परीक्षा में खराब प्रदर्शन किया था। इस मामले में, भौतिकी और रसायन विज्ञान परीक्षण गणित की परीक्षा के समान उत्तेजना थे और उन्होंने स्वयं सीआर का उत्पादन किया।

भेदभाव:

भेदभाव सामान्यीकरण के विपरीत है। यह समान उत्तेजनाओं के बीच अंतर करने की क्षमता को संदर्भित करता है। उदाहरण के लिए, एक छात्र को गणित की परीक्षा के दौरान डर लग सकता है लेकिन भौतिकी या रसायन विज्ञान की परीक्षा के दौरान नहीं। इससे पता चलता है कि छात्र प्रतिक्रिया के लिए उपयुक्त और उपयुक्त परिस्थितियों में भेदभाव करने में सक्षम है।

अवसान:

विलुप्त होने की प्रक्रिया सीखने के मूल स्रोत को हटाने के कारण सीखी गई प्रतिक्रिया को हटाने की प्रक्रिया है। प्राचीन अनुबंधन में, सीएस को बार-बार यूएस के बिना प्रस्तुत करके विलुप्त किया जाता है। यह क्रिया पहले सीआर की आवृत्ति को कम कर देगी। आखिरकार, सीआर गायब हो जाता है। ऊपर वर्णित उदाहरण में, यदि छात्र बार-बार गणित की परीक्षा पास करता है, तो उसका गणित परीक्षण का डर गायब हो जाएगा।

सहज पुनःप्राप्ति

विलुप्त होने के बाद, यदि अनुबंधित उत्तेजना को आराम की अवधि के बाद फिर से प्रस्तुत किया जाता है, तो एक कमजोर अनुबंधित प्रतिक्रिया फिर से प्रकट हो सकती है। इस घटना को सहज पुनर्प्राप्ति के रूप में जाना जाता है।

अधिग्रहण

अधिगम का प्रारंभिक चरण जब अनुबंधित प्रतिक्रिया बनाने के लिए अनुबंधित उत्तेजना और अनअनुबंधित उत्तेजना को जोड़ा जाता है।

पावलोव के प्राचीन अनुबंधन सिद्धांत का मनोविज्ञान के क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, जो यह समझने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है कि पर्यावरण में संघों के माध्यम से व्यवहार और प्रतिक्रियाओं को कैसे सीखा जा सकता है। इसने विभिन्न प्रकार के सीखने में आगे के शोध के लिए आधार तैयार किया, जिसमें क्रियाप्रसूत अनुबंधन और अधिक जटिल संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं शामिल हैं।